Literacy for a Billion

Movie: Patthar Ke Sanam
Year: 1949

Song: Mehboob Mere Mehboob Mere
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

महबूब मेरे महबूब मेरे
महबूब मेरे महबूब मेरे
तू है तो दुनिया
कितनी हसीं है
जो तू नही तो
कुछ भी नहीं है

महबूब मेरे महबूब मेरे
महबूब मेरे महबूब मेरे
तू है तो दुनिया
कितनी हसीं है
जो तू नहीं तो
कुछ भी नहीं है

तू है तो बढ़ जाती है
कीमत मौसम की
तू है तो बढ़ जाती है
कीमत मौसम की
ये जो तेरी आँखें हैं
शोला शबनम की
यहीं मरना भी है मुझको
मुझे जीना भी यहीं हैं
महबूब मेरे महबूब मेरे
महबूब मेरे महबूब मेरे

तू है तो दुनिया
कितनी हसीं है
जो तू नहीं तो
कुछ भी नहीं है

महबूब मेरे

अरमाँ किसको जन्नत की
रंगीं गलियों का
अरमाँ किसको जन्नत की
रंगीं गलियों का
मुझ को तेरा दामन है
बिस्तर कलियों का
जहाँ पर है तेरी बाहें
मेरी जन्नत भी वहीं है

महबूब मेरे महबूब मेरे
महबूब मेरे महबूब मेरे
तू है तो दुनिया
कितनी हसीन है
जो तू नहीं तो
कुछ भी नहीं है
महबूब मेरे

रख दे मुझको तू
अपना दीवाना कर के
रख दे मुझको तू
अपना दीवाना कर के
नजदीक आ जा फिर देखूँ
तुझको जी भर के
मेरे जैसे होंगे लाखों
कोई भी तुझ सा नहीं है

महबूब मेरे हो महबूब मेरे

महबूब मेरे महबूब मेरे
तू है तो दुनिया
कितनी हसीन है

जो तू नहीं तो
कुछ भी नहीं है
महबूब मेरे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.